Title: Regarding mode of recruitment in government jobs in Rajasthan

श्रीमती जसकौर मीना (दौसा): शिक्षित युवा वर्ग कड़ी मेहनत के पश्चात् शैक्षिक परीक्षाएँ उत्तीर्ण करता है, विभिन्न विभागो मे सरकारी सेवा हेतु प्रयास करता हैं । दुर्भाग्यवश भ्रष्टाचार के चंगुल में फँसकर निराशा की गहरी पीड़ा तक झेलता हैं । राजस्थान में 11 वार परीक्षा मे पेपर लीक तथा कद्दावर लोगो द्वारा नकल करने के कारण योग्य परीक्षार्थी निराशा में डूब कर आत्म हत्या तक कर बैठते हैं ।

मेरा अनुरोध हैं कि अभ्यर्थियों कि शैक्षिक योग्यता की मैरिट बनाई जाये एवं उनकी शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांकों के आधार पर ही नियुक्तियाँ दी जायें एवं अनावश्यक परीक्षा भर्ती बंद की जायें जैसा कि राजस्थान शिक्षा विभाग में पूर्व में यही व्यवस्था पारदर्शी तरीके से अपनाई जाती थी । अनावश्यक कोचिंग का भार परीक्षार्थी पर नहीं पड़ता था । सरकार द्वारा अलग से परीक्षा करने का भार भी नहीं था । नकल कर नौकरी पाना भी व्यवस्था को कमजोर करता हैं ।